Regarding ban on foreign Apps- laid

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): विगत 9 वर्षों में देश की पड़ोसी सीमाओं से आतंकी घुसपैठ पर लगभग पूरी तरह से प्रतिबंध लग गया है। लेकिन, आज घर-घर में गूगल के माध्यम से इंटरनेट के द्वारा प्रसारित अश्लील सामग्री से जिस प्रकार से भारतीय संस्कृति प्रभावित हो रही है, उसको तुरन्त रोकने के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है । हमारे देश की जो सभ्यता और संस्कृति हजारों वर्षों से बची हुई है, वह हमारी पारम्परिक पद्धति की वजह से ही जीवित है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि गूगल एप्प के माध्यम से देश में बच्चों और समाज पर विपरीत प्रभाव तो पड़ ही रहा है, बल्कि अनैतिक संस्कार भी घर-घर में प्रवेश कर रहे हैं। यह देश के लिए आतंकवाद से भी ज्यादा घातक है। दूसरे, आज के डिजिटल युग में देश की सुरक्षा सिर्फ हथियारों पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि इसमें डेटा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आमतौर पर, कई देश डेटा का हथियार के तौर पर भी उपयोग कर रहे हैं । कुछ देश, दूसरे देशों की दखल अंदाजी से बचने के लिए देश के नागरिकों को विदेशों में बने एप्स से दूर रख रहे हैं। उन्हीं में से एक चीन भी है। अतः देशहित में मेरा सुझाव है कि जिस प्रकार से चीन ने गूगल इत्यादि अनेक विदेशी एप्स पर प्रतिबंध लगाकर अपने स्वयं के एप्स चीनी नागरिकों के लिए तैयार किए हैं, उसी प्रकार से हमारे देश में भी गूगल इत्यादि सभी विदेशा एप्स, जो आज की युवा पीढ़ी और हमारी सुरक्षा के लिए घातक बने हुए हैं, उन पर तुरन्त प्रतिबंध लगाकर देश के नागरिकों के लिए स्वयं के एप्स इत्यादि तैयार किए जाने हेतु सकारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए।